

Total Pages : 15

B.A./6th Sem (G)/SANS/23(CBCS)

2023

6th Semester Examination

SANSKRIT (General)

Paper : DSE 1B/2B-T

[CBCS]

Full Marks : 60

Time : Three Hours

*The figures in the margin indicate full marks.  
Candidates are required to give their answers  
in their own words as far as practicable.*

[Literary Criticism]

1. अधोलिखितेषु केषाञ्चित् दशप्रश्नानामुत्तरं सरलसुरगिरा  
देवनागर्या च देयम्। 2×10=20

निम्नलिखित ये कौन दशटि प्रश्नेर उतुर संस्कृत भाषाय ओ  
देवनागरी लिपिते लेख।

(क) उपदेशः कतिविधः ?

उपदेश कयप्रकार ?

(ख) को खलु सुखदुःखमोहस्वभावः ?

काके सुखदुःखमोहस्वभाव बला हयेछे ?

P.T.O.

(ग) 'एतद्विलक्षणा तु कविवाङ्निर्मितिः' — कविवाङ्निर्मितिः कस्याः विलक्षणा भवति?

'एतद्विलक्षणं तु कविवाङ्-निर्मितः' — कविवाङ्-निर्मिति कार-  
थेके विलक्षणं?

(घ) काव्यात् कस्य कवेः इव कथम् अनर्थनिवारणं भवति?

काव्ये थेके कोन कविर मतो कीभावे अनर्थ निवारण हय?

(ङ) 'अव्यङ्ग्यं त्ववरं स्मृतम्' — अव्यङ्ग्यावरशब्दयोः अर्थः कः?

'...अव्याङ्ग्यं त्ववरं स्मृतम् — अव्याङ्ग्यं ओ अवर शब्द दुटिर अर्थ की?

(च) '...लोकशास्त्रकाव्याद्यवेक्षणात्' — शास्त्रशब्देन के के ग्रन्थाः निर्दिष्टाः?

'...लोकशास्त्रकाव्याद्यावेक्षणं' — शास्त्र शब्देर द्वारा कोन कोन ग्रन्थके बोळानो हयेछे?

(छ) कः, तृणारणिमणिन्यायः?

तृणारणिमणिन्याय कि?

(ज) 'वाच्याद् ध्वनिर्बुधैः कथितः' — बुधशब्देन के उल्लिखिताः?

'वाच्याद् ध्वनिर्बुधैः कथितः' — 'बुध'शब्देर द्वारा कादेर बोळानो हयेछे?

(झ) 'षड्रसा न च हृद्यैव तैः' — षड्रसाः के ?

'षड्-रसा न च हृद्यैव तैः' — छय्ति रस की की ?

(ञ) मम्मटस्य पूर्ववर्तिनोः द्वयोः आलंकारिकयोः नाम लिख्यताम्।

मम्मटेर पूर्ववर्ती दु'जन आलंकारिकेर नाम लेख।

(ट) मम्मटेन स्वीकृतेषु काव्यप्रयोजनेषु मुख्यं तावत् किम् ?

मम्मटस्वीकृत काव्यप्रयोजनगुलिर मध्ये मुख्य कोन् टि ?

(ठ) श्रीहर्ष-मयूरकव्योः लिखितानां ग्रन्थानां नाम किम् ?

श्रीहर्ष ओ मयूरकविर लेखा ग्रन्थगुलिर नाम की ?

(ड) काव्यप्रकाशस्य उपरि लिखितस्य कस्यचिटीकाग्रन्थद्वयस्य नाम लिख्यताम्।

काव्यप्रकाशेर उपर लेखा येकोन दुटि टीका ग्रन्थेर नाम लेख।

(ढ) 'निःशेषच्युतचन्दनम्...' इति काव्ये केन पदेन को व्यङ्ग्यार्थः सूच्यते ?

'निःशेषच्युतचन्दनम्...' एहि काव्ये कोन पदेर द्वारा कि व्यङ्ग्यार्थ ह्येछे ?

(ण) एकमुदाहरणं दीयतां यत्र स्फुटालंकारविरहेऽपि काव्यत्वं भवति ?

एकटि उदाहरण दाओ येखाने स्फुटालंकार छाड़ा ओ काव्यत्वं ह्येछे ?

P.T.O.

2. निम्नलिखितेषु यथेच्छं चतुर्णां प्रश्नानाम् उत्तरं प्रदेयम्।

5×4=20

निम्नलिखित যেকোন চারটি প্রশ্নের উত্তর দাও।

(ক) काव्यस्य किं प्रयोजनम्? — आलोच्यताम्।

কাব্যের প্রয়োজন কী? — আলোচনা করো।

(ख) मम्मटसम्मतं काव्यलक्षणमुल्लिख्य 'अनलंकृती' इति पदस्य तात्पर्यमालोच्यताम्।

মম্মটসম্মত কাব্যের লক্ষণ উল্লেখ করে 'অনলংকৃতি' এই পদের তাৎপর্য আলোচনা কর।

(ग) व्याख्यायताम् — शक्तिः कवित्वबीजरूपसंस्कारविशेषः।

ব্যাখ্যা কর — শক্তিঃ কবিত্ববীজরূপসংস্কারবিশেষঃ।

(घ) अधमकाव्यस्य किं वैशिष्ट्यम्?

অধম কাব্যের বৈশিষ্ট্য কী?

(ङ) काव्यं लोकोत्तरवर्णनानिपुणकविकर्म — व्याख्यायताम्।

কাব্যং লোকোত্তরবর্ণনানিপুণকবিকর্ম — ব্যাখ্যা কর।

(च) वाच्यव्यङ्ग्ययोः किं पार्थक्यम्?

বাচ্য ও ব্যঙ্গ্যের পার্থক্য কী?

3. यथेच्छं द्वयोः प्रश्नयोः उत्तरं देयम्।

10×2=20

ये कौन दूटि प्रश्नेर उत्तर दाओ।

(क) मम्मटमते काव्यस्य कारणं किम्? — आलोच्यताम्।

मम्मटेर मते काव्येर कारण की? — आलोचना करो।

(ख) काव्यप्रकाशमते उत्तमकाव्यस्य किं लक्षणम्? सोदाहरणं व्याख्यायताम्।

काव्यप्रकाशमते उत्तमकाव्येर लक्षण की? उदाहरण दिऐे व्याख्या कर।

(ग) टिप्पनी लेखनीया (द्वयोः) :

दण्डचक्रन्यायः, मध्यमकाव्यम्, गुणः

टीका लेख। (येकौन दूटि) :

दण्डचक्रन्याय, मध्यमकाव्य, गुण

(घ) आचार्येण मम्मटेन तस्य काव्यप्रकाशग्रन्थे कथं कविसृष्टेः उत्कर्षः प्रतिपादितः? — आलोच्यताम्।

आचार्य मम्मट काव्यप्रकाश ग्रन्थे कीभावे कविसृष्टिेर उत्कर्ष प्रतिपादन करेछेन? — आलोचना करो।

[Nationalism in Sanskrit Literature]

क. यथेच्छं दश प्रश्नाः संस्कृतभाषया देवनागरीलिप्या च समाधेयाः । 2×10=20

ये कान् दशति प्रश्नेर संस्कृतभाषया देवनागरीलिपिते उत्तर दाओ ।

१. राष्ट्रशब्दस्य व्युत्पत्तिं लिखत ।

राष्ट्रशब्देर व्युत्पत्ति लेख ।

२. शुक्लयजुर्वेदे राष्ट्रतत्त्वं कुत्र उपलभ्यते ?

शुक्लयजुर्वेदे राष्ट्रतत्त्वं कोथाय वर्णित हयेछे ?

३. राष्ट्रियसङ्गीतस्य प्रणेता कः ? तत्र कति स्तवकाः सन्ति ?

जातीयसङ्गीतेर प्रणेता के ? सेथाने कयति स्तवक आछे ?

४. शुक्रनीतौ राज्याङ्गभूतौ मित्रकोषौ किंस्थानीयौ ?

शुक्रनीतिते राज्याङ्ग मित्र एवं कोषेर कान् अङ्गेर साथे तुलना करा हयेछे ?

५. 'गुरुर्वा यदि वा मित्रं प्रतिहन्तव्य एव सः' इत्यत्र कदा सः प्रतिहन्तव्यः ?

'गुरुर्वा यदि वा मित्रं प्रतिहन्तव्य एव सः' — एथाने कथन तार प्रतिरोध करते हवे ?

६. वङ्कमचन्द्रस्य जातीयताबोधवर्धकस्य कृतिद्वयस्य नाम लिखत।

वङ्कमचन्द्रेण जातीयताबोधवृद्धिं करे एवमनूयं द्वयं रचनारं नाम लेखत।

७. 'गान्धिचरितं' केन प्रणीतम्? तत्र कति परिच्छेदाः सन्ति?

गान्धिचरितेण प्रणयनं केन कृतं? सैथाने कयं परिच्छेदं अस्ति?

८. बाल्मीकिरामायणस्य कस्मिन् काण्डे राष्ट्रस्य भौगोलिकम् ऐक्यं वर्णितम्? तद्रामायणस्य कतमं काण्डम्?

बाल्मीकिरामायणेण कौनं काण्डे राष्ट्रस्य भौगोलिकं ऐक्यं वर्णितं अस्ति? सैथि रामायणेण कतमं काण्डं?

९. राधावल्लभत्रिपाठिनः राष्ट्रवादप्रतिपादकस्य काव्यद्वयस्य नाम लिखत।

राधावल्लभत्रिपाठिनं राष्ट्रवादप्रतिपादकं द्वयं काव्यग्रंथेण नाम लेखत।

१०. सत्याग्रहः इत्यनेन किं बुध्यते? अयं कस्य विचारः?

सत्याग्रहं वलते किं बोधं? एतं कस्य चिन्ताधारा?

११. भारतस्य राष्ट्रियं प्रतीकं किमस्ति? तत्र उल्लिखितं वचनं किमस्ति?

भारतेण जातीयचिह्नं किं? सैथाने उल्लिखितं वचनं लेखत।

P.T.O.

१२. पण्डितक्षमारावविरचितं काव्यं किमस्ति? तत् कीदृशं काव्यम्?

পণ্ডিত ক্ষমারাব বিরচিত কাব্যের নাম কি? এটি কোন ধরনের কাব্য?

१३. हरिनारायणदीक्षितप्रणीतस्य राष्ट्रवादसम्बद्धस्य समीक्षात्मकस्य ग्रन्थस्य नाम किमस्ति? कया भाषया प्रणीतोऽयं ग्रन्थः?

জাতীয়তাবাদ অবলম্বনে হরিনারায়ণদীক্ষিত প্রণীত সমীক্ষাত্মক গ্রন্থের নাম কি? কোন ভাষায় এই গ্রন্থটি রচিত হয়েছে?

१४. अशोकचक्रस्य किं तात्पर्यम्?

অশোকচক্রের তাৎপর্য লেখ।

१५. ऋग्वेदे कयोर्मण्डलयोः भारतशब्दस्योल्लेखो वर्तते?

ঋগ্বেদের কোন দুটি মণ্ডলে ভারতশব্দের উল্লেখ রয়েছে?

ख. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु चतुरः उत्तरत। 5×4=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোন চারটি প্রশ্নের উত্তর দাও।

१. व्याख्यात - स्वाम्यमात्यसुहृत्कोषराष्ट्रदुर्गबलानि च।

सप्ताङ्गमुच्यते राज्यं तत्र मूर्द्धा नृपः स्मृतः॥

ব্যাখ্যা কর — স্বাম্যমাত্যসুহৃৎকোষরাষ্ট্রদুর্গবলানি চ।

সপ্তাঙ্গমুচ্যতে রাজ্যং তত্র মূর্দ্ধা নৃপঃ স্মৃতঃ॥



২. আধুনিকভারতবর্ষস্য জাতীয়তাবাদবিষয়ে স্বামিবিবেকানন্দস্য অভিপ্রায়ং প্রকটীকুরুত।

আধুনিক ভারতবর্ষের জাতীয়তাবাদ সম্বন্ধে স্বামী বিবেকানন্দের অভিপ্রায় ব্যক্ত কর।

৩. কালিদাসস্য রঘুবংশস্য চতুর্থসর্গে প্রতিপাদিতং সাংস্কৃতিকমৈক্যং নিরূপয়ত।

কালিদাসরচিত রঘুবংশের চতুর্থসর্গে প্রতিপাদিত সাংস্কৃতিক এক্য নিরূপণ কর।

৪. ভারতবর্ষস্য রাষ্ট্রীয়ধ্বজস্য বৈশিষ্ট্যানি লিখত।

ভারতবর্ষের জাতীয়পতাকার বৈশিষ্ট্যগুলি লেখ।

৫. 'ভিন্নতাষু এক্যমিতি' মতং পৌরাণিকবৃত্তান্তেন সমর্থয়ত।

'ভিন্নতার মধ্যে এক্য' এই মতকে পৌরাণিকবৃত্তান্তের দ্বারা সমর্থন কর।

৬. টীকাং লিখত — ভারতবিজয়নাটকম্।

টীকা লেখ — ভারতবিজয়নাটকম্।

গ. অধোলিখিতেষু প্রশ্নেষু দ্বৌ উত্তরত।

10×2=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোন দুটি প্রশ্নের উত্তর দাও।

১. অথর্ববেদালোকেন রাষ্ট্রস্বরূপং চিত্রয়ত।

অথর্ববেদের আলোকে রাষ্ট্রস্বরূপের বর্ণনা দাও।

P.T.O.

२. संस्कृतवाङ्मये रामायणमहाभारतादिषु वर्णितां राष्ट्रनीतिं वर्णयत ।

संस्कृतवाङ्मये रामायणमहाभारत प्रभृति ग्रन्थेषु वर्णित  
राष्ट्रनीतिरु धारणा दातु ।

३. विष्णुपुराणदिशा भारतवर्षस्य भौगोलिकीं समाजिकीं च  
स्थितिं प्रकटीकुरुत ।

विष्णुपुराण अवलम्बने भारतवर्षेरु भौगोलिक एवम्  
सामाजिक अवस्थान व्यक्त कर ।

४. शिवराजविजये प्रतिफलितं जातीयतावादचिन्तनं निरूपयत ।

शिवराजविजये प्रतिफलित जातीयतावादेरु परिचय दातु ।

OR

[Mathematical Tradition in Sanskrit]

1. संस्कृतभाषया देवनागरीलिप्या च यथेच्छं दशप्रश्नाः समाधेयाः ।  
2×10=20

संस्कृतभाषाय ओ देवनागरीलिपिडे येकान दशडि प्रश्नेर उतर दओ ।

- (क) गणितशब्दस्य का व्युत्पत्तिः ? तस्य कोऽर्थः ?

गणितशब्देर व्युत्पत्ति कि? एर अर्थ कि?

- (ख) 'सिद्धान्तशिरोमणिः' इति ग्रन्थस्य रचयिता कः ? अस्मिन् ग्रन्थे कति अध्यायाः सन्ति ?

'सिद्धान्तशिरोमणि' ग्रन्थेर रचयिता के? एडि ग्रन्थे कयडि अध्याय आछे?

- (ग) वैदिकगणितस्य तृतीयं सूत्रं किम् ?

वैदिकगणितेर तृतीय सूत्रडि कि?

- (घ) कलन-दशमलवयोः लक्षणं लिख्यताम् ?

कलन ओ दशमलवेर लक्षण लेख ।

- (ङ) गणितस्य मुख्या शाखा कः ?

गणितेर प्रधान शाखा कानगुलि?

- (च) 'ब्रह्मस्फुटसिद्धान्तः' केन रचितः ? तस्य उपाधिः कः ?

'ब्रह्मस्फुटसिद्धान्तः' ग्रन्थडि कार लेखा? तौर उपाधि कि?

P.T.O.

(छ) श्रीधराचार्यस्य गणितविषयकः ग्रन्थः कः ?

श्रीधराचार्येण गणितविषयकं ग्रन्थं कौनटि ?

(ज) गणितशास्त्रस्य उत्सः कः ?

गणितशास्त्रेण उत्सः कि ?

(झ) कः सर्वसिद्धान्तगुरुः ? तस्य गणितग्रन्थस्य नाम किम् ?

के सर्वसिद्धान्तगुरुः ? तस्य लेखा गणितग्रन्थेण नाम कि ?

(ञ) 'एकाधिकेन पूर्वेण' — इति सूत्रस्य किं तात्पर्यम् ?

'एकाधिकेन पूर्वेण' — एहि सूत्रेण तात्पर्यं कि ?

(ट) 'दशगीतिकासूत्रम्' — इत्यस्य रचयिता कः ? कश्च ग्रन्थस्यास्य विषयः ?

'दशगीतिकासूत्रम्' — ग्रन्थेण रचयिता के ? ग्रन्थेण विषयवस्तु कि ?

(ठ) वीजगणितस्य किं स्वरूपम् ?

वीजगणितं वलते कि वीज ?

(ड) 'आर्याष्टशतकम्' — इति ग्रन्थस्य कति पादाः सन्ति ?

'आर्याष्टशतकम्' ग्रन्थे कः टि पद आछे ? सेगुलि कि कि ?

(ढ) 'पाटिगणितम्' — इत्यत्र 'पाटि' शब्दस्य कोऽर्थः ?

'पाटिगणितम्' — एथाने 'पाटि' शब्देण अर्थं कि ?

( ण ) गोलाध्यायस्य कः विषयः ?

गोलाध्यायের বিষয়বস্তু কি?

2. यथेच्छं प्रश्नचतुष्टयं समाधेयम्।

5×4=20

যেকোন চারটি প্রশ্নের উত্তর দাও।

( क ) वैदिकगणितस्य महत्त्वं वैशिष्ट्यञ्च संक्षेपेण उपस्थाप्यताम्।

বৈদিকগণিতের বৈশিষ্ট্য ও মহত্ব সংক্ষেপে আলোচনা কর।

( ख ) व्याख्या कार्या — 'परावर्त्य योजयेत्'।

ব্যাখ্যা লেখ — 'পরাবর্ত্য যোজয়েৎ'।

( ग ) घन-घनमूलयोः (Cube & Cube root) किं स्वरूपम्।

ঘন ও ঘনমূলের (Cube & Cube root) স্বরূপ আলোচনা কর।

( घ ) सप्रसङ्गं व्याख्येयम् —

प्रपद्येते श्रविष्ठादौ सूर्याचन्द्रमसाबुदक्।

सार्पार्धे दक्षिणार्कस्तु माघश्रावणयोः सदा॥

প্রসঙ্গ সহ ব্যাখ্যা লেখ —

প্রপদ্যেতে শ্রবিষ্ঠাদৌ সূর্য্যচন্দ্রমসাবুদক্।

সাপার্ধে দক্ষিণার্কস্তু মাঘশ্রাবণয়োঃ সদা॥

P.T.O.

(ड) एकस्य टिप्पणी लिख्यताम्।

पञ्चसिद्धान्तिका, आर्यभट्टीयम्।

ये कोन एकटि टिप्पणी लेख।

पञ्चसिद्धान्तिका, आर्यभट्टीयम्।

(च) टीका विरचनीया —

कमलाकरः अथवा श्रीधरः।

टीका लेख।

कमलाकर अथवा श्रीधर।

(छ) सप्रसङ्गं व्याख्येयम् —

दिव्यं वर्षसहस्रं ग्रहसामान्यं युगं द्विषट्कगुणम्।

अष्टोत्तरं सहस्रं ब्राह्मो दिवसो ग्रहयुगानाम्॥

प्रसङ्ग सह व्याख्या लेख।

दिव्यं वर्षसहस्रं ग्रहसामान्यं युगं द्विषट्कगुणम्।

अष्टोत्तरं सहस्रं ब्राह्मो दिवसो ग्रहयुगानाम्॥

3. यथेच्छं प्रश्नद्वयं समाधेयम्।

10×2=20

ये कोन दूटि प्रश्नेर उत्तर दाओ।

(क) लगधज्योतिषस्य रचयिता कः? अस्मिन् ग्रन्थे याजुषज्योतिषस्य विषयः विशदयताम्।

लगधज्योतिषे रचयिता के? এই গ্রন্থের যাজুषজ্যোতিষের বিষয়বস্তু বিস্তৃতভাবে আলোচনা কর।

(ख) भारतीयगणितपरम्परायां ब्रह्मगुप्तस्य अवदानं सविस्तरम् उपस्थाप्यताम्।

भारतीयगणितपरम्पराय ब्रह्मगुप्तस्य अवदानं विस्तृतभावे उपस्थापनं कर

(ग) प्राचीन-मध्ययुगीययोः संस्कृतसाहित्ययोः गणितशास्त्रस्य उत्पत्तिःविकाशश्च पर्यालोच्यताम्।

प्राचीनं ओ मध्ययुगीयं संस्कृतसाहित्ये गणितशास्त्रस्य उत्पत्तिः ओ विकाशं पर्यालोचनां कर।

(घ) गणितशास्त्रे वराहमिहिरस्य अवदानम् आलोच्यताम्।

गणितशास्त्रे वराहमिहिरस्य अवदानं आलोचनां कर।